

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

उत्तरम्- (क) जनाः तूलिया आवृताः आसन्।

(ख) शीला पार्श्ववर्तिनः भार्या आसीत् सा तूलिकां याचते स्म।

(ग) लेखकस्य भार्या तस्य पुरतो अकथयत् यत् नित्यमेव तूलिकां याच माना इयं लज्जा नानु भवति।

(घ) क्षणं तूष्णीकः पतिः उक्तवान् यत् प्रिय! अद्य तु अति शीतः अस्ति। तूलिका अपि हिममिव प्रतीयते।

## 2. निम्नलिखित कथन किसने किससे कहा?

उत्तरम्- (क) पार्श्वर्तिनी भार्यायाशीलया लेखकस्य भार्यायाः।

(ख) लेखकेन स्वभार्यायाः।

(ग) लेखकस्य भार्याया लेखकात्।

(घ) लेखकस्य भार्याया लेखकात्।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) शेतयं वर्धयन् शीतः वायुः प्रवहितुम् आरब्धः।

(ख) पक्षिणः अपि स्वनीडानि निर्माणं सुखेन वसनित स्म।

(ग) वयं सर्वे हसन्त्याः पार्श्वे उपविष्टाः।

(घ) अद्य मम गृहे चत्वारः अतिथयः आगताः।

(ङ) नित्यं तूलिका याचने इयं लज्जा नुना भवति।

## 4. निम्नलिखित में तृच् प्रत्यय जोड़कर अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- गम् + तृच् = गन्ता जाने वाला।

दृश् + तृच् = द्रष्टा देखने वाला

पठ् + तृच् = पठिता पढ़ने वाली।

हन् + तृच् = हन्ता मारने वाला।

## 5. हिंदी ओर अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- हिंदी कुछ क्षण चुप रहकर मेरे पति ने कहाप्रिय! आज तो बहुत ठंड है। रजाई भी बर्फ से समान लग रही है।

अंग्रेजी After keeping quiet for sometime my husband said, dear, today it is too cold. The quilt is feeling just like an ice.

## 6. पत्नी जब रजाई देने गई तो लेखक क्यों सो गया?

उत्तरम्- यदा पत्नी तूलिकां दातुं गता तु लेखकः हसन्त्याः उष्णतायां निद्रायां गताः।

## महामना मदनमोहनमालवीयः

### अभ्यासकण्ठी

#### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) मालवीयस्य पिता श्री ब्रजनाथ मालवीयः आसीत्।  
 (ख) अयं यशः शरीरेण अद्यापि विराजते।  
 (ग) मालवीयः काशी हिंदू विश्वविद्यालयस्य संस्थापकः आसीत्।  
 (घ) मालवीयः महोदयः लाहौर कांग्रेस सभायाः दिल्ली कांग्रेस सभायाः च सभापतिः नियुक्तः।  
 (ङ) अयं महापुरुषः प्रयागस्य समीपे एकस्मिन् ग्रामे जन्म अलभत्।

#### 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) माता कुन्दन देवी महती साध्वी आसीत्। (ख) मालवीयः कारावासम् अपि असेवत्।  
 (ग) मालवीयः कांग्रेस सभायाः सभापतिः नियुक्तः (घ) 1919 ईसवीये रोलट एक्ट इति अस्य विरोधम् अकरोत्।

#### 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्य पिता श्रीब्रजनाथ मालवीयः आसीत्।  
 (ख) अस्य माता कुन्दन देवी महती साध्वी स्वभावः आसीत्।  
 (ग) मालवीय महोदयः काशी हिंदू विश्वविद्यालयस्य संस्थापक आसीत्।  
 (घ) सः देशभक्त समाजसेवकः चासीत्।

#### 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) इनके पिता श्री ब्रजनाथ मालवीय एक सरस कथावाचक थे।  
 (ख) मालवीय जी की प्रारंभिक शिक्षा घर में ही हुई।  
 (ग) वे कानून की परीक्षा में भी उत्तीर्ण हुए।  
 (घ) 1919 ई0 में आए रोलर एक्ट का इन्होंने विरोध किया।  
 (ङ) इन महाभाग ने 1946 में नवंबर महीने की बारह ता0 में अपने भौतिक शरीर को छोड़ दिया।

#### 5. निम्नलिखित शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलिए-

- उत्तरम्- (क) ब्राह्मणी (ख) साध्वी (ग) सेविका (घ) मयूरी।

#### 6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

- उत्तरम्- (क) आज भी (ख) विद्यमान है (ग) मिला। पाया। (घ) छोड़ा।

#### 7. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) शरीरमत्यजात् = शरीरम् + अत्यजत्  
 (ख) नवंबरमासास्य = नवंबर + मासस्य  
 (ग) अद्यापि = अद्य + अपि  
 (घ) कथावाचकः = कथा + वाचकः

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) भोजनानन्तरं पिता यत् पुत्र! कृशिकार्येभ्यः मुक्ति न भवति। संप्रति बहूनि कार्याणि करणीयानि। अहम् अद्यैव जिगमिषामि। त्रीणि मासानि व्यतीतानि त्वया किमपि पत्रं नैष प्रेषितम्। वत्स जानामि त्वां पितृप्रियम् अतिमृदुहृदयम्। यदा त्वं विपत्तौ भवसि पत्रं न प्रेषयसि।
- (ख) यदा पुत्रः विपत्तौ भवति स्म तदा सः पत्रं न प्रेषयति स्म।
- (ग) लेखकस्य पुत्रस्य चरणयोः उपानहं नासीत्।
- (घ) दीर्घं निःश्वस्य लेखकस्य पत्नी तस्मै भोजनम् अयच्छत्।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) गृहस्य चिन्तां मा कुरु सर्वं कुशलतम्। (ख) अस्मिन्नेव क्षणे अयमपि आगतवान्।
- (ग) अहम् अद्यैव जिगमिषामि। (घ) यदा त्वं विपत्तौ भवसि पत्रं न प्रेषयसि।
- (ङ) पुत्रस्य चरणयोः उपानहं नास्ति।

## 3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वह लंबा साँस लेकर सवयं ही बोली। (ख) मैंने सोचाघर में आर्थिक अभाव है।
- (ग) दवाइयों के लिए रुपये नहीं हैं। (घ) इसी समय ये सभी आ गए।
- (ङ) वत्स तुझ पिता को चाहने वाले मधुर हृदय वाले को मैं जानता हूँ।

## 4. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पदों को शुद्ध कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भ्राता गृहं गच्छति। (ख) पित्रे नमः। (ग) माता फलं यच्छति।
- (घ) श्रीगणेशाय नमः। (ङ) मातरि मम विश्वासः अस्ति।

## 5. निम्नलिखित का स्वरचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विपत्तौ मित्रस्य परीक्षा तु विपत्तौ एव भवति।
- (ख) जलेन लेखकस्य पिता जलेन मुखं अप्रक्षालयत्।
- (ग) अवदत् सा दीर्घं निःश्वस्य स्वपतिम् अवदत्।
- (घ) संप्रति अहं जानामिचित् सम्प्रति त्वं विपत्तौ असि।
- (ङ) अकुप्यत् पितकूं दृष्ट्वा लेखकस्य जाया अति अकुप्यत्।

## 6. इस पाठ से क्या शिक्षा मिलती है?

- उत्तरम्- अनेक पाठेक इयं शिक्षा लभते यत् मातुः पितुः च स्थानं सर्वोच्चम् अस्ति। अस्माभिः सदा तयोः आज्ञापालनं मानं-सम्मानं च करणीयम्।

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) अस्मिन् लोके परलाक च कः धन्यः इति राज्ञः प्रथमः प्रश्नः आसीत्।  
 (ख) निषादः व्याधः उभयत्र न धन्यः।  
 (ग) 'अत्र कृपणः श्रेष्ठी धन्यः परलोके न' इति उत्तरम् अददात्।  
 (घ) राजा मन्त्रिण प्रभूतं धनमयच्छत्।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सः मन्त्रिणे प्रभूतं धनमयच्छत्। (ख) मम चत्वारः प्रश्नाः सन्ति उत्तरं देहि।  
 (ग) अत्र कृपणः श्रेष्ठी धन्यः नास्ति? (घ) उभयोः लोकेयोः को धन्य नास्ति?

## 3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) महाराज! चार प्रश्न कौन-कौन से हैं? (ख) इस लोक और परलोक में कौन धन्य है?  
 (ग) महाराज! यहाँ कंजूस सेठ धन्य है परलोक में नहीं। (घ) मंत्री जी! कौन पुरुष परलोक में धन्य है यहाँ नहीं।  
 (ङ) श्रीमन्! सङ्गतिः किं भवति?

## 4. संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कश्चित् कः + चित् (ख) धर्मात्मा धर्म + आत्मा  
 (ग) नास्ति न + अस्ति (घ) इहामूत्र इह + अत्र

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- परलोके - परलोके परलोके धनं धर्मः अस्ति।  
 धन्यः - धन्यः परलोके साधुः धन्यः अस्ति।  
 कृपणः - कृपणः अस्मिन् संसारे कृपणः श्रेष्ठी धन्यः अस्ति।  
 चत्वारः - चत्वारः भो मन्त्रिन्! मम चत्वारः प्रश्नाः सन्ति।  
 चतुरः - चतुरः मन्त्री अति चतुरः अस्ति।

## 6. क्रीड् धातु के लङ् लकार में रूप लिखिए-

उत्तरम्-	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अक्रीडत्	क्रीडताम्	अक्रीडन्
मध्यम पुरुष	अक्रीडः	अक्रीडतम्	अक्रीडत
उत्तम पुरुष	अक्रीडम्	अक्रीडाव	अक्रीडाम

## 7. निम्नलिखित में शतृ-प्रत्यय के योग से शब्द बनाइए तथा अर्थ लिखिए-

- उत्तरम्- पठ् + शतृ = पठन् पढ़ता हुआ  
 लिख् + शतृ = लिखन् लिखता हुआ  
 हस् + शतृ = हसन् हँसता हुआ

गम्	+	शतृ	=	गच्छन्	जाता हुआ
प्रच्छ	+	शतृ	=	पृच्छन्	पूछता हुआ

षष्ठः पाठः

6

## ज्ञानम् चैतनायाम्

### अभ्यासकण्ठी

#### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) सफल ज्ञानस्य आधारः चेतना भवति। (ख) गुरुः अस्मान् अन्धकारात् प्रकाशे असयति।  
 (ग) मातृ-पितृ आचार्येति त्रिदेवाः सन्ति। (घ) ज्ञानं चेतनायां निहितम् अस्ति।

#### 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सर्वे छात्राः उपस्थिताः सन्तु। (ख) शुद्ध चेतना एवं शुद्ध ज्ञानं भवति।  
 (ग) अंधकारात् प्रकाशयति सः गुरु भवति। (घ) असमाभिः एतेषा आज्ञासर्वदां पालनीया।

#### 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) गुरुः एव अज्ञानतां दूरी करणे समर्थोऽस्ति। (ख) अहम् अद्य चेतनायाः विषये युष्मान् पाठयिष्यामि।  
 (ग) सर्वे छात्राः सावधानो भूय शृणुयुः। (घ) माता-पिता गुरुश्च आदरणीयाः भवन्ति।  
 (ङ) अस्माभिः गुरोः आज्ञा सदैव पालनीया।

#### 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) हमारे तीन देव (माता-पिता, गुरु) ही सम्माननीय हैं। (ख) हमें इनकी आज्ञा हमेशा पालनी चाहिए।  
 (ग) वह ज्ञान चेतना में निहित है। (घ) चेतना के बिना ज्ञान का विकास नहीं हो सकता है।  
 (ङ) ज्ञान-अर्पित करने में गुरु की कृपा की आवश्यकता होती है।  
 (च) हे श्रीमान! चेतना क्या होती है?

#### 5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सावधान सर्वे छात्राः सावधानाः भवन्तु। (ख) चेतना शुद्ध चेतना एवं ज्ञानं भवति।  
 (ग) त्रिदेव अस्माकं त्रिदेवाः सन्ति माता, पिता गुरुश्च। (घ) सम्माननीयाः त्रिदेवाः सम्माननीयाः सन्ति।  
 (ङ) प्रकाशयति गुरुः ज्ञानं प्रकाशयति।

सप्तमः पाठः

7

## धर्मस्य प्रथमं लक्षम् (अहिंसा)

### अभ्यासकण्ठी

#### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) मुनिः कुशसमधि आनेतुं वनम् अगच्छत्। (ख) अस्मात् हिंसायाः परित्यागो करणीयः।

(ग) बुभूक्षितः पापमपि करणे उद्यतः भवति।

(घ) जीवेषु सर्वदा दया करणीया।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) निषादः मुनिवचनं श्रुत्वा कथयति।

(ख) अघात कदापि हिंसां न करिष्यामि।

(ग) प्रहारादिना दुःखं न ददाति तर्हि सा कायिकी अहिंसा भवति।

(घ) सर्वाणि कार्याणि अहिंसाव्रतेनैव सरलतया सिद्ध्यन्ति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) मुनिः अकियत् यत् अहिंसा त्रिविधा भवति।

(ख) असत्यवचनैः करयापि मनः दुःखितं न करोतु।

(ग) जीवेषु सदैव दया करणीया।

(घ) अहिंसैव परमो धर्मः अस्ति।

(ङ) अहं जीवेषु सदैव दया करिष्यामि।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) इस कारण हिंसा का परित्याग करना चाहिए।

(ख) इस उपदेश से आवेटक बहुत दुखी हुआ।

(ग) भविष्य में मैं कभी भी हिंसा नहीं करूँगा।

(घ) मनुष्य की आत्मा अहिंसा से सुख क अनुभव करती है।

(ङ) मन सदैव प्रसन्न होता है।

(च) अहिंसा श्रेष्ठ धर्म है।

(छ) वहाँ पशुओं को बाँधकर लाते हुए एक निषाद को देखा।

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) पशून् एकः व्याधः पशून् बहवा आनयति स्म।

(ख) परित्यागो हिंसायाः सर्वदा परित्यागो करणीयः।

(ग) वाचिकी या मधुरवचनेन सुखं प्रददाति सा वाचिकी हिंसा भवति।

(घ) अधर्मः जीवहिंसा अधर्मः अस्ति।

(ङ) अहिंसा अहिंसा परमो धर्मः अस्ति।

(च) मानवाः मान्वाः अहिंसायाः पालनं कुर्युः।

(छ) मुनिः मुनिः जनान् उपदिशति स्म।

अष्टमः पाठः

8

हिमालयः

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) पृथिव्याः मानदण्डः इव हिमालयो नाम्नः नगाधिराजः अस्ति।

(ख) पुथुपदिष्टां दुदुहूर्धरित्रीम्।

(ग) आमेखलं धनाः सञ्चरन्ति।

(घ) सिद्धाः हिमालयस्य श्रङ्गाणि आतपवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) आमेखलं संचरतं घनानाम्  
छायामधः सानगुतां निषेव्यः।  
उद्वेजिता वृष्टिभिराश्रयन्ते  
शृंगाणि यस्यात्पवनित सिद्धाः।  
(ख) भागीरथीनिर्झर सीकराणाम्।  
वोढा मुहु कम्पितदेवदारु।  
यद्वायुरन्विष्टमृगैः किरातैः।  
रासेव्यते भिन्नाखिखण्डित वर्हः।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- अर्थदोहन कार्य में निपुण मेरा पर्वताओं सभी पर्वतों का राजा बनाकर राजा पृथु की आज्ञा से चमकते रत्नों से भरी हुई पृथ्वी को कहा गया।

4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) नगाधिराजः - भारतस्य उत्तरस्यांदिशि नगाधिराजः वर्तते।  
(ख) पृथिव्या - काश्मीर प्रदेशः पृथिव्याः स्वर्गः अस्ति।  
(ग) शैलाः - हिमाचल प्रदेशे अनेके शैलाः सन्ति।  
(घ) रत्नानि - पृथिव्याम् अनेकानि रत्नानि सन्ति।  
(ङ) घनानाम् - घनानां गर्जनं श्रुत्वा मयूराः नृतयन्ति।

5. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्त्युत्तरस्याम् = अस्ति + उत्तरस्याम्  
(ख) पूर्वापरौ = पूर्वा + अपरौ  
(ग) भास्वनित = भास् + अन्ति  
(घ) महौषधि = महा + औषधि  
(ङ) देवतात्मा = देवता + आत्मा

6. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-

- उत्तरम्- (क) महा + औषधि = महौषधि (ख) रत्न + आनि = रत्नानि  
(ग) देवता + आत्मा = देवतात्मा (घ) घन + आनम् = घनानाम्  
(ङ) हिम + आलयो = हिमालयो

नवमः पाठः

9

जीवनीद्देश्यम्

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) भक्तिः नवप्रकाश भवति।

- (ख) मानवस्य सार्थक कर्मः एतत् अस्ति यत् तेन यत् अधीतं तत् अध्यायनीयम् अर्थात् किञ्चित् किञ्चित् संग्रहं कृत्वा दानं करणीयम्।  
 (ग) विद्यादानेन दर्धते।  
 (घ) केशव-कीर्तन श्रेष्ठतमा भक्तिः अस्ति।  
 (ङ) प्राप्तः कालात् सायंकाल मर्भतम् उद्योगं कृत्वा देवाराधनं करणीयम् इति द्वितीयो उद्देश्यः।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) संसार नरत्त्वचं दुर्लभं भवति। (ख) उद्योगं बिना मानवशरीरं व्यर्थं प्रतीयते।  
 (ग) किञ्चित् किञ्चित् संज्ञहं कृत्वा दानं करणीयम्। (घ) इदं तु व्यथे कृतेऽपि नित्यं वर्द्धते।  
 (ङ) संसारे नरत्वं दुर्लभं भवति।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) संसारे नरस्य जन्म एवं असम्भवम् अस्ति। (ख) मानवशरीरेण उपकारं करणीयम्।  
 (ग) विद्यादानं श्रेष्ठं दानं भवति। (घ) विद्यादानेन कदापि व्ययो न भवति।  
 (ङ) अस्माभिः उद्योगं करणीयम्।

## 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) उद्योग के बिना मानव शरीर व्यर्थ प्रतीत होता है।  
 (ख) संसार में मनुष्य योनि में आना दुर्लभ होता है।  
 (ग) शास्त्र में भक्ति के नौ प्रकार होते हैं।  
 (घ) सुबह से शाम तक परिरम करके देवाराधना करनी चाहिए।  
 (ङ) इसे नवीं भक्ति भी कहा जाता है।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विद्यादानम् विद्यादानं श्रेष्ठं दानमस्ति।  
 (ख) नवधाभक्ति शास्त्रे नवधाभक्तिः प्रदर्शिता अस्ति।  
 (ग) शय्यात्यागम् प्रातःकाले ब्रह्ममुहूर्ते शय्यात्यागं करणीयम्।  
 (घ) सार्थकम् मानवः सदा सार्थकं कार्यं कुर्यात्।  
 (ङ) उद्योगम् प्रातःकालत् सायंकाल पर्यन्तम् उद्योगं कृत्वा देवाराधनं करणीयम्।  
 (च) विद्याध्ययनम् विद्याध्ययनं मुख्यतम् उद्देश्यं स्यात्।  
 (छ) धनम् विद्याधनं सर्वप्रमुखं धनम् अस्ति।

दशमः पाठः

10

सम्राट् अशोकः

अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) सम्राट् अशोकः कलिङ्ग भूपतिना सह युद्धम् अकरोत्।  
 (ख) युद्धे वीरगतिं प्राप्तान् सैनिकान् क्षतउक्षितान् च दृष्ट्वा तस्य हृदयं-परिवर्तनम् अभवत्।



- (ग) क्षेत्र-क्षेत्रे गत्वा तेन पाषाण शिलोपरि न्याय धर्मोपदेशस्य लेखनं करितम्।  
 (घ) तेन विचारितं यत् मानवस्य स्वार्थः भयङ्करः अस्ति, स्वार्थं व शाखे एवं मया युद्धं कृतम् मदीय स्वार्थं स्म परिणामेन अनेकाः जनाः पञ्चत्वं प्राप्तः। अनेकाः परिवाराः अनायाः जाताः। स्वार्थं भावना नैवोचिता।  
 (ङ) सम्राट् अशोकः ईशातः सप्ततिः अधिकं द्विशतम् (270) वर्षाणि पूर्वं सिंहाजनां सुखोक्तम् अकरोत्।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भारतशासनस्य इदमेव लेखं चिह्नरूपेण जातम्। (ख) सिंहत्रयंअधः सत्यमेव जयते।  
 (ग) सः वीरवरः चन्द्रगुप्तस्य पौत्रः आसीत् (घ) अस्य पूर्वम् अशोकस्य स्वभावः कठोरः आसीत्।  
 (ङ) अनेकाः परिवाराः अनाथाः जाताः। (च) सम्राट् अशोकः मौर्यवंशस्य महान् शासकः अभूत्।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अशोकस्य हृदयः क्षतान् मृतान् सैनिकान् च दृष्ट्वा परिवर्तितः।  
 (ख) अनेके परिवाराः अनाथाः तथा दुःखिताः अभवन्।  
 (ग) नववर्षानन्तरं सम्राट् अशोकाः कलिङ्ग सह युद्धम् अकरोत्।  
 (घ) सत्यस्य सर्वदा विजयः भवेत् एतादृशी इच्छा करणीया।  
 (ङ) अस्मात् पूर्वं अशोकस्य स्वभावः कठोरः आसीत्।  
 (च) बिन्दुसारः अशोकस्य पिता आसीत्।

## 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अशोक के पिता का नाम बिंदुसार था।  
 (ख) अनेक परिवार अनाथ हो गए।  
 (ग) इस संसार में बहुत सारे लोग जन्म प्राप्त करते हैं।  
 (घ) वास्तविक जीवन उसी का है, जो शुभ कर्म करता है।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए

- उत्तरम्- (क) सिंहत्रयम् सिंहत्रयम् अध लिखितम् अस्ति 'सत्यमेव जयते।'।  
 (ख) पञ्चत्वं अनेके जनाः पञ्चत्वं प्राप्ताः।  
 (ग) व्रणवन्तम् व्रणवन्तं सैनिकं दृष्ट्वा अशोकः दुःखितः अभवत्।  
 (घ) पाषाणः सम्राट् अशोकः पाषाणामुपरि न्याय धर्मोपदेशम् अलोकखयत्।  
 (ङ) लेखम् भारतशासनस्य खमेव लेखं चिह्नरूपेण जातम्।  
 (च) बौद्धः सम्राट् अशोकाय धर्मोपदेशं ददाति।

दकादशः पाठः

11

सरदार वल्लभभाई पटेलः

अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) सरदार वल्लभभाई पटेलस्य जन्म गुजरात प्रान्ते 'कच्छ' नामके ग्रामे अभवत्।  
 (ख) साबरमती नदीतटे सत्याग्रह नाम आश्रमस्य स्थापना अकरोत्।

- (ग) कृषकाणां संगठनं कृत्वा करविरोधी आन्दोलनं कृतम्।  
 (घ) 1942 तमे वर्षे बारटोली नामके ग्रामे स्वराजयाश्रमस्य स्थापनामपि अकरोत्।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विधिशास्त्र अध्ययनाथम् इंग्लैण्ड देशम् अगच्छत्।  
 (ख) अस्य महोदयस्य जन्मः गुजरात प्रान्ते 'करछ' नामक ग्रामे अभवत्।  
 (ग) भारतभूमण्डले एकः सैनिकः सरदार वल्लभभाई पटेल आसीत्।  
 (घ) छात्राः महापुरुषाणां चरित्रं ज्ञात्वा सदचरित्रवान् भवन्ति।  
 (ङ) संसारे अनेकाः देशभक्ताः एवं स्वतन्त्रतायाः सैनिकाः उत्पन्नाः अभवन्।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) एकतया भावनया दुष्कराणि कार्यावि अपि सफलानि भवन्ति।  
 (ख) कृषकाणां सहायतया आन्दोलनं चलितम्।  
 (ग) पटेलस्य शिक्षा नाडियाद ग्रामे अभवत्।  
 (घ) वयं सर्वे संगठीभूय कार्यं कुर्मः

## 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) इस संसार में अनेक देशभक्त उत्पन्न हुए।  
 (ख) भारतभूमंडल में एक सैनिक सरदार वल्लभभाई पटेल थे।  
 (ग) उन्होंने वर्ष 1913 में अहमदाबाद नामक नगर में वकालत का कार्य शुरू किया।  
 (घ) छात्र महापुरुषों के चरित्र को जानकर सदचरित्र होते हैं।  
 (ङ) इसलिए लोक के कल्याण के लिए हम हमेशा प्रयास करें।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भूमण्डले भारत भूमण्डले अनेके महापुरुषाः अभवन्।  
 (ख) स्वराज्यम् स्वराज्यम् अस्माकं जन्मसिद्धः अधिकारः अस्ति।  
 (ग) सव्यहस्तः पटेल महोदयः महात्मा गान्धिनः सव्यहस्तः आसीत्।  
 (घ) लौहपुरुषम् इमं लौहपुरुषं वयं सादरं नमामः।  
 (ङ) संगठनम् एषः महाभागः कृषकाणां संगठनं कृत्वा आन्दोलनम् आरब्धवान्।

## 6. स्तम्भ 'क' को स्तम्भ 'ख' से मिलाइए-

- उत्तरम्- (क) वल्लभभाई पटेल जन्मः → 1924  
 (ख) वकालतकार्यं प्रारंभम् → 1916  
 (ग) सत्याग्रह आश्रमस्य स्थापना → 1913  
 (घ) स्वराज्याश्रमस्य स्थापना → 1875

## 7. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सत्याग्रह = सत्य + आग्रह  
 (ख) स्वतन्त्रतान्दोलने = स्वतन्त्रता + आन्दोलने  
 (ग) सदचरित्रवान् = सत् + चरित्रवान्  
 (घ) स्थापनामपि = स्थापनाम् + अपि

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्माकं संरक्षणाय सम्वर्धनाय च प्रकृतिः सदैव यत्नं करोति।  
 (ख) सम्प्रति तैलचालितानि यानानि यन्त्राणि च स्वकीयैः धूमैः वायुमंडल इष्यन्ति।  
 (ग) असत्राणां परीक्षणैः समुद्रस्य वातावरणं प्रदूष्यते।  
 (घ) वन प्राणिनां संरक्षणाय अरणानां सङ्ख्या वर्धनीया।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वनानि एवं वनप्राणिनः सागरजन्तवश्चापि पर्यावरणस्य सन्तुलनं स्थापयन्ति।  
 (ख) वायुप्रदूषणं प्रतिक्षणं वर्धते।  
 (ग) वनानि यत्नतः रक्षणीयानि।  
 (घ) पर्वतेषु औषधयः नदी स्रोतांसि च सम्वर्धन्ताम्।  
 (ङ) ग्रामेषु, नगरेषु, स्थाने-स्थाने उद्यानानि समारोपणीयानि।  
 (च) अतः वनानि यत्नात रक्षणीयानि।  
 (छ) समुद्रप्राणिनां हिंसनं यत्नेन कुर्वन्ति।  
 (ज) वातावरणस्य वायोश्च परिशोधनं कुर्वन्ति।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सागराः समुल्ल सन्ति। (ख) वनानि शोभन्ते।  
 (ग) धूमः वायुमंडल प्रदूषयति। (घ) अस्त्राणां परीक्षाः समुद्रस्य जलं प्रदूषितं भवति।  
 (ङ) जले, स्थले अंतरिक्षे च प्रदूषणं वर्धते।

## 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) समुद्री जीवों की हिंसा यत्नपूर्वक करते हैं।  
 (ख) वनों की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए।  
 (ग) पर्वतों पर औषधियाँ और नदी स्रोत बढ़ाएँ।  
 (घ) अस्त्रों के परीक्षण से समुद्र का वातावरण प्रदूषित होता है।  
 (ङ) वे खुश होती हुई उसके विकारको स्वयं पीती हैं।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) यन्त्राणि अद्यत्वे बहूनि यन्त्राणि चलन्ति।  
 (ख) यत्नम् प्रदूषण-रोद्धुं यत्नं करणीय।  
 (ग) वनानि वनानि वातावरणं शोधयन्ति।  
 (घ) पुष्पाणि एतानि अतीव दशाणि पुष्पाणि सन्ति।  
 (ङ) सन्तुलनम् नदी, स्रोतः, वनं पशु-पक्षिणः सर्वे पर्यावरणे सन्तुलनं स्थापयन्ति।

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) हरिः इन्द्रं स्वर्गलोकस्य स्वामी कृतवान्।

(ख) नरकः अतः निष्क्रियः जातः यतोहि तत्र कोऽपि जनः न आयाति स्म।

(ग) यमराजः हरेः समीपं गत्वा प्रार्थयत् यत् भगवन्। अहं स्व अधिकारं व्यक्तुम् इच्छामि, कृपया माम् अस्मात् भारात् ओचयतु।

(घ) कमला हरिश्च पृथ्वी लोके अपश्यताम् यत् सर्वे जनाः स्वऽस्व कार्येषु निरताः सन्ति। तेषां जीवनं तपसः तयागयोः च जीवनम् अस्ति।

(ङ) हरिः यमराजम् आशवासयितुं प्रत्यवदत् यत् भवान् कथम् एवं चिन्तितोऽस्ति। अयं तु सुखस्य विषयः यत् पृथ्वी लाके जनाः धार्मिकाः नैतिकगुणैः सम्पन्ना च सन्ति, इत्यर्थमेव ते स्वर्गम् आयान्ति।

(च) समृद्धिः मूलं परिश्रमम् अस्ति।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) यमराजं नरकस्य स्वामी कृतवान्।

(ख) नरकस्य निष्क्रियतां विलोक्य यमराजः चिन्ताकुलः अभवत्।

(ग) अहं स्वाधिकारं व्यक्तुम् इच्छामि।

(घ) हरेः वचं श्रुत्वा यमराजः सन्तुष्टः मौनमवधारयत्।

(ङ) कमला हरिणा सह पृथ्वीलोकमगच्छत्।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) भगवता इन्द्रं स्वर्गस्य यमराजं च नरकस्य स्वामी निर्मापितः।

(ख) नरकस्य निष्क्रियतां विलोक्य यमराजः चिन्तितो अभूत्।

(ग) अयं सुखस्य विषयः अस्ति यत् पृथिव्यां जनाः धार्मिकाः नैतिक गुणैः च सम्पन्ना सन्ति।

(घ) यमराजः अपश्यत् यत् पृथिव्यां सर्वे जनाः स्वकार्येषु निरताः सन्ति।

(ङ) यमराजः प्रसन्नोभूम् स्वलोकम् अगच्छत्।

## 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) परिश्रम ही समृद्धि का मूल है।

(ख) इस प्रकार कामना हरि के साथ पृथ्वी लोक में गई।

(ग) इसलिए वे सभी अंत में स्वर्ग को प्राप्त करते थे।

(घ) मैं अपना अधिकार छोड़ना चाहता हूँ।

(ङ) उन्होंने इन्द्र को स्वर्ग का और यमराज को नरक का स्वामी बनाया।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) स्वर्गस्य भगवान् हरिः इन्द्रं स्वर्गस्य स्वामी कृतवान्।

- (ख) सजीवः एवं स्वर्गः सजीवः आनन्दमयः च जातः।  
 (ग) अधिकारम् अहं स्वअधिकारं व्यक्तुम् इच्छामि।  
 (घ) वचनम् हरेः वचनं श्रुत्वा यमराजः सुतुष्य मौन मधारयम्।  
 (ङ) कमला कमला हरिणा सह पृथ्वी लोकम् अगच्छत्।  
 (च) सुखम् पृथ्वी लोके सर्वजनाः सुखम् अनुभवान्ति स्म।  
 (छ) यमराजः यमराजः प्रसन्नो भूम स्वलोकम् अगच्छत्।

चतुर्दशः पाठः

14

## राष्ट्रीय प्रतीकः

### अभ्यासकण्ठी

#### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्माकं राष्ट्रीयः पक्षीः मयूरः अस्ति।  
 (ख) अस्माकं राष्ट्रीय पुष्पं कमलम् अस्ति।  
 (ग) भारतस्य राष्ट्रगानस्य रचयिता कविवरः रवीन्द्रनाथ ठाकुरः अस्ति।  
 (घ) भारतस्य राष्ट्रीयध्वजे पिण्याकः, श्वेत हरित शच वर्णाः सन्ति।

#### 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्माकं राष्ट्रध्वजः त्रिभिः वर्णैः संयुतः।  
 (ख) भारतराष्ट्रस्य राष्ट्रगान जन-गण-मन अस्ति।  
 (ग) राष्ट्रध्वजस्य चक्रे चतुर्विंशतिः अराः सन्ति।  
 (घ) अस्य गानस्य प्रणेता कविवरः रवीन्द्रनाथ ठाकुरः अस्ति।  
 (ङ) कमलम् अस्माकं राष्ट्रीय पुष्पम्।

#### 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) मयूरः नृत्यति।  
 (ख) व्याघ्रः सर्वाधिकः बलवान् पशुः अस्ति।  
 (ग) राष्ट्र चिह्नानाम् अस्माभिः सम्मानं करणीयम्।  
 (घ) अशोक चक्रं सत्यस्य अहिंसायाः च प्रतीक अस्ति।  
 (ङ) अमलम् अस्माकं राष्ट्रीय पुष्पम् अस्ति।

#### 4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) मोर के पीछे के भाग में पंख शोभित होते हैं।  
 (ख) यह पशुओं में अति बलवान हैं।  
 (ग) कमल हमारा राष्ट्रीय पुष्प है।  
 (घ) इस चक्र में चौबीस तीलियाँ हैं।  
 (ङ) हमारा राष्ट्रध्वज तिरंगा है।

5. दिए गए चित्रों के नीचे नाम लिखिए-

उत्तरम्-



अशोकस्तम्भः



व्याघ्रः



मयूरः



कमलम्

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्-
- |               |   |   |
|---------------|---|---|
| (क) मयूरः     | - | अस्माकं राष्ट्रीयः पक्षी मयूरः अस्ति।       |
| (ख) कमलम्     | - | कमलं सुन्दरतायाः निर्मलतायाः च प्रतीकमस्ति। |
| (ग) व्याघ्रः  | - | व्याघ्रः अतीव सूरः भवति।                    |
| (घ) प्रतीकम्  | - | पिण्याक एडंग त्यागस्य प्रतीकम् अस्ति।       |
| (ङ) प्रख्यातः | - | अशोक स्तम्भः प्रख्यातः अस्ति।               |
| (च) बर्हः     | - | मयूरस्य बर्हः अतिशोभनं भवति।                |
| (छ) तिरङ्गः   | - | अस्माकं राष्ट्रध्वजः तिरङ्गः अस्ति।         |

चतुर्दशः पाठः

15

सती सावित्री

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्-
- |  |
|--|
| (क) नृपस्य सुतायाः नाम सावित्री आसीत्।   |
| (ख) सावित्री वरमन्वेष्टाय विदेशेषु अभ्रमत्।  |
| (ग) सा अवदत् यत् दीर्घायुः अल्पायुः वा सदगुणः वा सः एव मम पतिर्भविष्यति। अहम् अन्नं वरं न वरिष्यामि। |
| (घ) अश्वपतिः नारदम् अपृच्छत् यत् यदि स सत्यवान् गुणवान् अस्ति तदा सावित्र्या किं पापं कृतम्।         |
| (ङ) मुनिः नारदः अवदत् यत् सावित्रया अज्ञानतया महत् पापं कृतं यत् अनया गुणवान् सत्वानः वृत्तः।        |

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्-
- |   |   |
|---|---|
| (क) नृपस्य सुता सावित्री आसीत्।                 | (ख) सावित्री विदेशेषु वरम् अन्वेष्टाय अभ्रमत्।          |
| (ग) नारदः प्रत्यवदत्-“सत्यवानः अल्पायुः अस्ति।” | (घ) अहम् अन्यं वरं न वरिष्यामि।                         |
| (ङ) वने सत्यवतः शिरसि वेदना जाता।               | (च) “गच्छ, सावित्री, पुनः अन्यं योग्यं वरम् अन्वेष्टय।” |

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्-
- |  |
|--|
| (क) सावित्री विदेशों में वर (दूल्हा) खोज के लिए धूमि।                    |
| (ख) यदि सत्यवान गुणवान हे तब सावित्री ने क्या पाप किया?                  |
| (ग) सावित्री बोलीवह दीर्घायु हो या अल्पायु या सदगुणी वहीं मेरा पति होगा। |
| (घ) एक वर्ष पश्चात् वे वन को गए।   |
| (ङ) विवश यमराज ने उसके पति के प्राण लौटा दिए।                            |

4. निम्न श्लोक का हिंदी में अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- अहो, हे राजन! सावित्री ने यह बहुत बड़ा पाप किया जो अज्ञानता से उस गुणवान सत्यवान को वर लिया।

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	वाक्य प्रयोग
(क)	शिरसि	तस्य बालकस्य शिरसि वेदना जायते।
(ख)	आदर्शः	अयमेकः आदर्शः बालकः अस्ति।
(ग)	अन्वेषणाय	सावित्री वरम् अन्वेषणाय इतस्ततः अभ्रमत।
(घ)	सुता	सीता राज्ञः जनकस्य सुता आसीत्।
(ङ)	अनमत्	सावित्री मुनिं नारदम् अनमत्।

6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्-	(क)	युवावस्थाम्	=	युवा	+	अवस्थाम्
	(ख)	प्रत्यागता	=	प्रति	+	आगता
	(ग)	दीर्घायुः	=	दीर्घ	+	आयुः
	(घ)	अल्पायुः	=	अल्प	+	आयुः

षोडशः पाठः

16

सुभाषितानि

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्-	(क)	दुर्जनस्य संसर्गः त्याज्यः।	(ख)	गच्छन् पिपीलिकः शतयोजनं याति।
	(ग)	गच्छन् पिपीलिकः शतयोजनं याति।	(घ)	योजनानां शतान्यापि पिपीलिकः गच्छन् याति।
	(ङ)	षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रमिदाचरेत्।		

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्-	(क)	त्यज दुर्जनं सन्सर्गं भज साधुसमागमम्।	(ख)	गुणो भूषयते रूपं भूषयो धनम्
	(ग)	दीर्घं पश्यत मा ह्रस्वं पश्यत परं पश्यतमाऽपरम्।	(घ)	लालयेत् पञ्चवर्षाणि दशवर्षाणि ताडयेत्।
	(ङ)	एकेनापि सुवृक्षेण पुष्पितेन सुगन्धिना।		

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-	(क)	षोडश वर्षीय पुत्रेण सह मित्रवत् व्यवततव्यम्।	(ख)	पुष्पितेन वृक्षेण वनं सुवासितं भवति।
	(ग)	दुर्जनानां सङ्गः व्याजयः।	(घ)	धर्मम् आचरत सत्यं च वदत।
	(ङ)	भूतिमिच्छता षड् दोषाः समापताः भवन्ति।		

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-	(क)	दिन-रात पुण्य-काय्य करो और प्रतिदिन अनित्यकर (ईश्वर) को याद करो।
	(ख)	चींटी (नर) लगातार चलती हुई सौ योजना तक चली जाती है।

- (ग) पाँच वर्ष तक लालन करो दास वर्ष का होने पर दंड देना शुरू करो।  
 (घ) जैसे फले-फूले पेड़ से साआ वन सुवासित होता है, वैसे अच्छे पुत्र से कुल (वंश) भी महक उठता है।  
 (ङ) उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति और पराक्रम ये छः गुण हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	वाक्य प्रयोग
(क)	सन्सर्गः	- सर्वदा सजजनानां संसर्गः करणीयाः।
(ख)	धर्मम्	- प्राणपणेन धर्मम् आचरत।
(ग)	आलस्यम्	- प्रातःकाले आलस्यं व्यक्त्वा भ्रमणाय गन्तव्यम्।
(घ)	सहायकृत्	- उद्यमः, साहसः धैर्यः आदयः यस्मिन् भवन्ति तत्र देवः सहायकृत् भवति।
(ङ)	पिपीलिकः	- गच्छन् पिपीलिकः शतं योजनं याति।

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
सुवृक्षेण	- अच्छे वृक्ष से	अनृत्	- झूठ
अहोरात्रम्	- दिन-रात	भूतमिच्छता	- भलाई चाहने वाले
पिपीलिकः	- चींटी (नर)	सुवासितम्	- सुगन्धयुक्त
नितयम्	- प्रतिदिन	त्जज	- छोड़ो

7. निम्नलिखित श्लोकों को कंठस्थ कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

सप्तदशः पाठः

17

सुदामा श्रीकृष्णश्च

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) कृष्णस्य सखा सुदामा आसीत्।  
 (ख) सुदामायाः भ्रात्रा उवाच यत् भो विप्र! भवतः बालसाध श्रीकृष्णः साम्प्रतं द्वारिकायां राज्यं करोति। सः तत्र अधिपतित्वे शोभते। भवान् तत्त्वसमीपं धनम् आनेतुं कथं न गच्छति। सः यथेष्टं धनं दास्यति।  
 (ग) भार्यानुरोधेन सुदामा श्रीकृष्णस्य समीपं गच्छति।  
 (घ) सुदामा भेंट रूपेण कृष्णाय तण्डुलाः आदाय द्वारिकां प्रति अगच्छत्।  
 (ङ) श्रीकृष्णः मित्रं सिंहासने उपदेश्य तस्य चरणौ प्रक्षालितवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) एकदा धनाभखेन पीडिता सुदामाब्राह्मणस्य भार्या तमुवाच।  
 (ख) श्रीकृष्णः साम्प्रतं द्वारिकायां राज्यं करोति।  
 (ग) सुदामा दृष्ट्वा श्रीकृष्णः आनन्दितः अभवत्।  
 (घ) भुजौ प्रसार्य तस्या लिङ्गनम् अकरोत्।



(ङ) इदं सर्वं भगवत प्रसादेव इति मखा अति प्रसन्नो जातः।

(च) दरिद्रः सुदामा श्रीकृष्णस्य सखा आसीत्।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) श्रीकृष्ण इस समय द्वारिका में राज्य करते हैं।

(ख) सुदामा नामक ब्राह्मण को देखकर श्रीकृष्ण आनंदित हुआ।

(ग) वे भेंट स्वरूप कुछ चावल लेकर श्रीकृष्ण को देने के लिए द्वारिका को चल दिए।

(घ) मित्र को सिंहासन पर बिठाकर उनके चरण धोने शुरू किए।

(ङ) यह भगवान का प्रसाद हे ऐसा मानकर बहुत प्रसन्न हुए।

4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- शब्द वाक्य प्रयोग

(क) धनाभावेन - सुदामा: परिवार: धनाभावेन पीडित: आसीत्।

(ख) सखा - सुदामा: साथ श्रीकृष्ण: आसीत्।

(ग) भार्यानुरोधेन - भार्यानुरोधेन सुदामा द्वारिकां प्रति अगच्छत्।

(घ) आनन्दितः - धनधान्येन पूरितं एवग्रहं दृष्ट्वा सुदामा आनन्दितः अभवत्।

(ङ) तण्डुलान् - सुदामा श्रीकृष्णस्य पार्श्वे तण्डुलान् नीत्वा अगच्छत्।

5. सही वाक्य के सामने (3) तर्क गलत वाक्य के सामने (7) का चिह्न लगाइए-

उत्तरम्- (क) 7 (ख) 3 (ग) 3 (घ) 7 (ङ) 7

6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क) चिरकालोपरान्ते = चिरकाल + उपरान्ते

(ख) वात्प्रचाकरोत् = वार्ता च + अकरोत्

(ग) तत्समीपम् = तत् + समीपम्

(घ) संकोचवशात् = संकोच + वशात्

अष्टदशः पाठः

18

महाकविः कालिदासः

अभ्यासकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) कालिदासः कविकुलगुरुः कविश्रेष्ठः, महाकविः इति नामनैः प्रसिद्धः अस्ति।

(ख) आङ्गलजनाः तं भारतस्य शेक्सपीयर इति कथयन्ति।

(ग) कालिदासः महाराजा विक्रमादित्यस्य सीमापण्डितः आसीत्।

(घ) कालिदासः रघुवंशम् कुमारसम्भवम् अभिज्ञान शाकुन्तलम् मेघदूतम् ऋतु संहारम् इत्यादिनि ग्रन्थानि विरचितानि।

(ङ) तस्य विवाहः एकया राजकन्याया विद्योतमया सह अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) कालिदासस्य नाम सर्वस्मिन् संसारे विख्यातम्।

- (ख) आङ्गलजनाः कालिदासं भारतस्य शेक्सपीयर कथयन्ति।  
 (ग) कालिदासः महाराजा विक्रमादित्यस्य सभापण्डितः आसीत्।  
 (घ) कालिदासः संस्कृतभाषायाः भारतस्य कवीनाञ्च गौरवमस्ति।  
 (ङ) कालिदास गिरां सारं कालिदासः सरस्वती।

### 3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) ये कविगुरुः कविश्रेष्ठ नाम से प्रसिद्ध हैं।  
 (ख) छल से उनका विवाह एक राजकन्या के साथ हुआ।  
 (ग) कालिदास शीघ्र ही विद्या में कुशल होकर महापण्डित हो गए।  
 (घ) कालिदास द्वारा विरचित नारटक अभिज्ञान शाकुन्तलम् इनका सर्वोत्तम नाटक है।  
 (ङ) कालिदास वाणी का सार है कालिदास सरस्वती है।

### 4. निम्नलिखित शब्दों का उनके अर्थ से मिलान कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	अर्थ
(क)	विख्यातम्	किंवदन्ती
(ख)	पीयूषम्	अपमान से
(ग)	जनरुतिः	प्रयत्न किया
(घ)	अवमानया	अमृत
(ङ)	प्रायतत्	वाणी
(च)	गिराम्	प्रसिद्ध

### 5. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्-	(क)	शीघ्रमेव	=	शीघ्रम	+	एव
	(ख)	विद्यानिष्णातो	=	विद्या	+	निष्णातो
	(ग)	आङ्गलजनाः	=	आङ्गल	+	जनाः
	(घ)	गौरवमस्ति	=	गौरवम्	+	अस्ति

### 6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) पीडितः - अवमानया पीडितः कालिदासः विद्यायै प्रायतत्।  
 (ख) सर्वोत्तमम् - कालिदासस्य सर्वोत्तम नाटकम् अभिज्ञान शाकुन्तलम् अस्ति।  
 (ग) सतयम् - सर्वदा सत्यं पालनीयम्।  
 (घ) प्रसिद्धः - एषः महाकविः इत नाम्ना प्रसिद्धः अस्ति।  
 (ङ) आङ्गलजनाः - आङ्गलजनाः कालिदासं शेक्सपीयर इति कथयन्ति।

सकोनविंशतिः पाठः

19

अमृतवचनानि

अभ्यासकण्ठी

### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) वृत्तं यत्नेन संरक्षेद्।

(ख) विद्याविहीना; तपहीना; कृपणा; अज्ञानी जना शीलहीना; गुणहीना; धर्महीनाश्च भुख भारभूताः भवन्ति।

(ग) उद्यमेन सिद्धयन्ति कार्याणि।

(घ) धीराः न्यायात् पथः पदं न प्रतिचलन्ति।

(ङ) विद्या मातेव रक्षाति, पितेव दिने नियोजयति, कान्तेव दुःखान् हृत्वा रमयति, लक्ष्मी तनोति च दिक्षु वितनोति।

(च) परोपकाराय सतं विभूतयः।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) ते मृत्युलोके भुवि भारभूताः, मनुष्यरूपेण मृगाशचरन्ति।

(ख) अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्तस्तु हतो हतः।

(ग) नहि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

(घ) एषः धर्मः खनातनः।

(ङ) निन्दनतु नीतिनिपुणा यरि वा स्तुवन्तु।

## 3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) जिनकी न विद्या है, न तप है, न ही दान है।

(ख) सत्य बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए।

(ग) कल्पलता के समान विद्या क्या-क्या सिद्ध नहीं करती है।

(घ) लक्ष्मी अपनी इच्छा अनुसार आए अथवा जाए।

## 4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर संस्कृत में वाक्यों की रचना कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
(क)	कार्याणि	बहुत से कार्य	मया स्वकीयानि सर्वाणि कार्याणि सम्पादितानि।
(ख)	ज्ञानम्	ज्ञान	ज्ञानं बिना नरः पशु तुल्यः अस्ति।
(ग)	लक्ष्मी	लक्ष्मी (धन)	विद्या लक्ष्मी तनोति।
(घ)	परोपकाराय	परोपकाराय	वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।
(ङ)	मरणम्	मरण (मृत्यु)	धीरेभ्यः मरणस्य कोऽपि अभिप्रायः नास्ति।

## 5. निम्नलिखित शब्दाका उनके अर्थ से सही मिलान कीजिए-

उत्तरम्- शब्द	अर्थ
मृत्युलोके	चरित्र की
मृततम्	प्रशंसा करें
स्तुवन्तु	इच्छानुसार
यथेष्टम्	नीति में कुशल
नीतिनिपुणा	भूमि पर

## 6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क)	स्वयमेव	=	स्वयम्	+	एव
(ख)	मृत्युलोके	=	मृत्यु	+	लोके
(ग)	मरणमस्तु	=	मरणम्	+	अस्तु

## अभ्यासकण्ठी

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) संसारस्य सर्वश्रेष्ठं वस्तु धनम् अस्ति।  
 (ख) धनं विना न्यायालये न्यायोन भवितुं शक्यते विद्याथ्री च विद्योपार्जनं शक्यते।  
 (ग) धनिकाः मानवाः सुखसागरं तरन्ति।  
 (घ) प्राचीनैः मुनिभिः धनस्योपयोगिता स्वीकृता।  
 (ङ) धनैः अकुलीनः अपि कुलीनाः भवन्ति।

## 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) धनेन विना कानि अपि कार्याणि न सिध्यन्ति। (ख) धनैः जनाः सुखसागरं तरन्ति।  
 (ग) निर्धनता समस्त आपदानां गृहम् अस्ति। (घ) धनेन विना शीलाशशिन कान्तिरपि परिम्लायते।  
 (ङ) सर्वे गुणाः धनमेवा श्रयन्ति।

## 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) धनं विना विद्योपार्जनं कर्तुं न शक्यते। (ख) धनं विना सर्वाणि वस्तूनि नीरसानि प्रतीयन्ते।  
 (ग) निर्धनता समस्तस्थम् आपदानां गृहम् अस्ति। (घ) संसारे सर्वे गुणाः धनमेवाश्रयन्ति।  
 (ङ) धर्मार्थं काम मोक्षाणी प्राप्त्यर्ब धनस्पावश्यकता अस्ति।

## 4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- शब्द	वाक्य प्रयोग
बिना	- धनं विना सर्वं नीरसं प्रतीयते।
विद्यापार्जनम्	- धनेनैव विद्योपार्जनं कर्तुं शक्यते।
धनम्	- मानव-जीवने धनम् अति महत्वपूर्णम् अस्ति।
मानवाः	- धनबलेनैव मानवाः सुखसामरं तरन्ति।
धनापार्जनम्	- धनोपार्जनम् अवश्यं करणीयम्।

## 5. निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए-

उत्तरम्- शब्द	अर्थ
प्रतिभाति	आपत्तियों का
विद्योपार्जनम्	प्रेम से
आपदाम्	धन कमाना
सौहृदात्	ज्ञान अर्जन करना
न्यायालये	कचहरी में
धनोपार्जनम्	प्रतीत होता है

## 6. उच्चारण कीजिए-

- उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

सकाविंशतिः पाठः

21

शब्दरूपाणि

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

द्वाविंशतिः पाठः

22

धातुरूपाणि

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

त्रयोविंशतिः पाठः

23

वन्दै मातरम्

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।